वित्त पोषित– ओ0एन0जी0सी

कार्यदाई संस्था– ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी टिहरी गढ़वाल

परियोजना– बाल विकास कार्यालय चम्बा के अर्न्तगत आंगनवाडी भाटूसौण, नकोट, जसपूर, गुनोगी ,चोपडीयालगांव

आंगनवाडी केन्द्र भाटूसौण ,नकोट, गुनोगी, जसपुर, चोपडीयालगांव में वाल रेटिंग पेंटिग का कार्य किया गया है और बच्चों को खेल सामग्री भी उपल्ब्ध करवाई गई। जिस कार्य हेतु ग्राम वासियों द्वारा ओएनजीसी का धन्यवाद किया गया है

आंगनवाड़ी केन्द्र भाटूसौण की वर्तमान की फोटो

आंगनवाड़ी केन्द्र नकोट की वर्तमान की फोटो

आंगनवाडी केन्द्र जसपुर की वर्तमान फोटो

आंगनवाडी केन्द्र गुनोगी वर्तमान फोटो

आंगनवाड़ी केन्द्र चोपडियाल गांव की वर्तमान फोटो

प्राथमिक विद्यालय चोपड़ियाल गाँव
आँगनवाड़ी केन्द्र चोपड़ियाल गाँव
विकासखण्ड - चम्बा, जनपद - टिहरी गढ़वाल
ओ एन जी सी
ONGC
कक्षा-कक्ष
GPS Map Camera
Churer Dhar, Uttarakhand, India
99m8+w8w, Churer Dhar, Uttarakhand 249145, India
Lat 30.384548° Long 78.366404°
Saturday, 29/11/2025 10:46 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Churer Dhar, Uttarakhand, India
99m8+w8w, Churer Dhar, Uttarakhand 249145, India
Lat 30.384571° Long 78.366436°
Saturday, 29/11/2025 10:46 AM GMT +05:30
Google

आंगनबाड़ी न्यूज

पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का हुआ कायाकल्प

जागरण संवाददाता, नई टिहरी: ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी की ओर से ओएनजीसी के सहयोग से चंबा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच आंगनबाड़ी केंद्रों में मरम्मत, पेंटिंग व सुंदरीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस पहल का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और आकर्षक बनाना है, ताकि प्रारंभिक शिक्षा व पोषण सेवाओं को और अधिक प्रभावी किया जा सके।

संस्था अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने जानकारी बताया कि परियोजना के अंतर्गत भटूसैण, नकोट, जसपुर, गुनोनी व चोपड़ियालगांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में लगभग 920 से 928 वर्ग फुट क्षेत्रफल में वाल राइटिंग, पेंटिंग व आवश्यक मरम्मत कार्य कराए गए हैं। वर्तमान में उक्त पांचों आंगनबाड़ी में करीब 80 बच्चे पंजीकृत हैं। वहीं, ढाई लाख रुपये प्रति आंगनबाड़ी के हिसाब से पूरी

योजना के तहत कार्य पूरा होने के बाद आंगनबाड़ी केंद्र गुनोनी • संस्था

योजना पर कुल साढ़े 12 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। कार्य पूर्ण होने के बाद केंद्रों का वातावरण बच्चों के अनुकूल, रंगीन व प्रेरक बन गया है। इस दौरान प्रत्येक गांव में ग्रामीणों के साथ बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका, बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास, पोषण आहार और बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। ग्रामीणों को बताया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषक आहार के साथ-साथ सामाजिक और बौद्धिक विकास का अवसर मिलता है। ग्राम प्रधान जसपुर श्वेता नेगी, प्रधान चौपड़ियाल गांव विनोद डबराल, प्रधान गुनोनी सुशीला थपलियाल, प्रधान भाटूसैण जगदीश डबराल, प्रधान नकोट युद्धवीर सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जसपुर रेखा देवी, गुनोनी मंगला देवी, भाटूसैण सावित्री देवर, नकोट शांति देवी, चौपड़ियाल गांव विनीता डबराल सहित ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह की पहल से गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

आंगनवाड़ी केंद्र नहीं प्ले ग्रुप कहिए जनाब

ओएनजीसी के सहयोग से चंबा क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प

चंबा। ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति, रानीचौरी द्वारा ओएनजीसी के सहयोग से चंबा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई आंगनबाड़ी केंद्रों में मरम्मत, पेंटिंग एवं सौंदर्यीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस पहल का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और आकर्षक बनाना है, ताकि प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण सेवाओं को और अधिक प्रभावी किया जा सके।

संस्था अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने जानकारी दी की परियोजना के अंतर्गत भटूसैण, नकोट, जसपुर, गुणोगी एवं चोपड़ियालगांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में लगभग 920 से 928 वर्गफुट क्षेत्रफल में वॉल राइटिंग, पेंटिंग तथा आवश्यक मरम्मत कार्य कराए गए। कार्य पूर्ण होने के बाद केंद्रों का वातावरण बच्चों के अनुकूल, रंगीन एवं प्रेरक बन गया है।

इस दौरान प्रत्येक गांव में ग्रामीणों के साथ बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका, बच्चों के शारीरिक

व मानसिक विकास, पोषण आहार तथा अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।

ग्राम प्रधान जसपुर श्वेता नेगी प्रधान चौपड़ियाल गांव विनोद डबराल प्रधान गुनोगी सुशीला थपलियाल प्रधान भाटूसैण जगदीश डबराल प्रधान नकोट युद्धवीर सिंह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जसपुर रेखा देवी गुनोगी मंगला देवी भाटूसैण सावित्री देवर नकोट शांति देवी चौपड़ियाल गांव विनीता डबराल ग्रामीणों एवं ग्राम प्रधानों ने इस जनहितकारी कार्य के लिए ओएनजीसी और ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की पहल से गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। स्थानीय लोगों ने भविष्य में भी ऐसे विकासात्मक कार्यों को जारी रखने की अपेक्षा जताई।

यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विकास को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे आंगनबाड़ी केंद्रों की उपयोगिता और प्रभावशीलता दोनों में वृद्धि हुई है।

बच्चों के समग्र विकास पर विशेष जोर

आयोजित ग्राम सभाओं में ग्रामीणों को जागरूक किया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पोषणयुक्त आहार, शारीरिक-मानसिक विकास एवं सामाजिक सीखने का अवसर मिलता है। ग्रामीणों से अधिक से अधिक बच्चों को आंगनबाड़ी से जोड़ने का आह्वान किया गया।

ग्रामीण सहभागिता से मजबूत हुई पहल

प्रत्येक गांव में ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति सुधारने पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी पहल के लिए ओएनजीसी एवं संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

भविष्य के लिए नई उम्मीद

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पहल से बच्चों को बेहतर शिक्षा-पर्यावरण मिलने के साथ-साथ माता-पिता का भरोसा भी आंगनबाड़ी व्यवस्था पर बढ़ा है। यह परियोजना ग्रामीण बाल विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित होगी। यह पहल ग्रामीण बाल विकास, शिक्षा जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आई है।

रानीचौरी के 5 आंगनबाड़ी केंद्र हाईटेक

नई टिहरी, संवाददाता। ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी की पहल और ओएनजीसी के वित्तीय सहयोग से टिहरी जिले के पांच आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक, सुरक्षित और बालमैत्री वातावरण में विकसित किया गया है।

जसपुर, भाटुसैण, गुनोगी, नकोट और चोपड़ियाल गांव स्थित इन केंद्रों का पुनर्निर्माण, रंग-रोगन और सजावट के साथ किया गया है। नए स्वरूप में तैयार केंद्रों की दीवारों पर बच्चों के अनुकूल शैक्षिक चित्र, कार्टून, अक्षर-ज्ञान और सीखने से जुड़ी आकृतियां सजाई गई हैं। इसके अलावा पढ़ाई, खेलकूद और अन्य शैक्षिक गतिविधियों के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है।

- जसपुर, भाटुसैण, गुनोगी, नकोट गांव के केंद्रों का पुनर्निर्माण
- शैक्षिक गतिविधियों के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई

इस पहल से बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ने के साथ प्रारंभिक शिक्षा और पोषण कार्यक्रमों को भी मजबूती मिलेगी।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों के लिए आकर्षक और प्रेरक वातावरण तैयार होने से उनकी पढ़ाई में रुचि बढ़ी है। साथ ही माता-पिता और शिक्षकों ने इसे बच्चों के समग्र विकास के लिए अहम कदम बताया है।

ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की पहली पाठशाला होते हैं, जहां से उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जाती है। इन केंद्रों को सुरक्षित, सुंदर और आधुनिक बनाना हमारा सामाजिक दायित्व है। बेहतर वातावरण में बच्चे न केवल सीखते हैं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। हमारा प्रयास है कि हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और संस्कारों के साथ मजबूत भविष्य की ओर कदम बढ़ाए। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस तरह की पहल ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की नींव को सशक्त करने के साथ बच्चों में सीखने की आदत भी बढ़ाएगी।

चंबा ब्लॉक क्षेत्र के पांच आंगनबाड़ी केंद्र बने बालमैत्री

संवाद न्यूज एजेंसी

ओएनजीसी के सहयोग से संवारी गई आंगनबाड़ी केंद्रों की सूरत

नई टिहरी। ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी की पहल पर टिहरी जिले के चंबा ब्लॉक के पांच आंगनबाड़ी केंद्रों को बालमैत्री और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

जसपुर, भाटुसैण, गुनोगी, नकोट और चोपड़ियाल गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों के भवनों का मरम्मत कार्य, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण कर उन्हें बच्चों के लिए आकर्षक और सुरक्षित बनाया गया है। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों की दीवारों पर बच्चों की समझ और रुचि के अनुरूप शैक्षिक कार्टून, अक्षर-ज्ञान, संख्याओं और सीखने से जुड़ी आकृतियां उकेरी गई है। ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने बताया कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र की साज-सज्जा और आवश्यक सामग्री पर लगभग 2.50 लाख रुपये की लागत आई है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को बालमैत्री, सुरक्षित और प्रेरक वातावरण देने के उद्देश्य से यह कार्य किया गया है।

जसपुर की प्रधान श्वेता नेगी, चोपड़ियाल के विनोद डबराल और गुनोगी की सुशीला थपलियाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की पहली पाठशाला होते हैं। बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिलने से बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ेगी। उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा मिल सकेगी।